आइआइएम के 22वें फाउंडेशन पर हेल्पएज इंटरनेशनल के चेयरमैन अरुण मैरा ने कहा

'बुजुर्ग बोझ नहीं बल्कि अनयूज्ड रिसोर्स हैं'

पत्रिका PLUS रिपोर्टर

इंदौर ◆ देश में सबसे तेजी से बढ़ने वाली जनसंख्या बुजुर्गों की है। स्वास्थ्य व लाइफ स्टाइल सुधरने से जीने की औसत उम्र बढ़ रही है। जीवन जीने की औसत उम्र 45 वर्ष से बढ़कर 60 से अधिक हो गई है, लेकिन हम उन्हें बोझ समझ रहे हैं। अकेला छोड़ देते है। कोई देखरेख के लिए नहीं रहता। ओल्डएज होम में छोड़ देते हैं। वास्तव में बुजुर्ग सबसे तेजी से बढ़ने वाले रिसोर्स हैं। उनका सही इस्तेमाल नहीं हो रहा। वे अपना समय फ्री में भी देने को तैयार रहते हैं। एजुकेशन, कम्यूनिटी व सामाजिक विकास जैसे क्षेत्रों में सेवा देने को तत्पर रहते हैं, लेकिन उन्हें शामिल नहीं किया जाता है। परिवार और कम्यूनिटी में बुजुर्गों को शामिल करने से दुनिया की अधिकांश सामाजिक परेशानियां खत्म हो सकती हैं। आप उनका अनुभव मिस कर रहे हैं, जबकि बाहर इस अनुभव की तलाश में लाखों रुपए खर्च कर रहे हैं।

यह बात हेल्पएज इंटरनेशनल के चेयरमैन अरुण मैरा ने कही। वे इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट (आइआइएम) के 22वें फाउंडेशन कार्यक्रम में शामिल होने पहुंचे थे। मुख्य अतिथि संस्थान के निदेशक प्रो. ऋषिकेश टी कृष्णन थे। सेशन के बाद इंटरनेशनल आर्ट्स एंड कल्चरल फाउंडेशन, बेंगलुरु की डॉ. दीप्ति नवरत्न ने शास्त्रीय गीतों की प्रस्तुति दी। उन्होंने जानकारी दी कि अब आइआइएम की सालाना रिपोर्ट में रिसर्च पेपर से इंडस्ट्रीज को होने वाली फायदे भी गिनाने होंगे। बताना होगा कि किस इंडस्ट्री ने रिसर्च पेपर स्वीकार किए हैं। क्या काम हुआ और कितना फायदा हुआ है। इसका फायदा रैंकिंग में भी मिलेगा।

सामाजिक दृष्टिकोण व आर्थिक समस्या प्रमुख चुनौती

योजना आयोग के पूर्व सदस्य व बीसीजी इंडिया के पूर्व अध्यक्ष मैरा ने कहा, बुजुर्गों के साथ सामाजिक दृष्टिकोण व आर्थिक समस्या मुख्य चुनौती है। वर्तमान में उन्हें काफी कम पेंशन मिलती है, जिसके कारण उन्हें परिवार के सदस्यों पर निर्भर होना पड़ता है, लेकिन वे भी कम कमाते हैं तो बुजुर्गों को बोझ समझने लगते हैं। इसके साथ ही हमारा सोशल सिक्यूरिटी सिस्टम सुधारना होगा। पेंशन सिर्फ अस्थायी राहत हो सकती है। यह सरकार पर आर्थिक बोझ जरूर डालेगी लेकिन देखना होगा कि पहले किसे इसका लाभ दें।

बेरोजगारी के कारण मॉब लिंचिंग

उन्होंने राष्ट्र को स्थिरता कैसे प्राप्त करनी चाहिए पर कहा, हम दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था में से एक हो सकते हैं, हालांकि, हमारे देश में भी बहुत असमानता है। हमारे पास बहुत सारी नौकरियां हो सकती हैं, लेकिन वे अच्छी तरह से भुगतान नहीं करते हैं। इससे निराशा होती है- जो अपराध दर को बढ़ाती है। आय को समान रूप से वितरित नहीं किया जाता है। लोग या तो बेरोजगार हैं या उन्हें असमानता के कारण पर्याप्त आय नहीं मिल रही है। महाराष्ट्र में मॉब लिंचिंग में 5 लोगों की मौत के मामले में पुलिस ने 25 लोगों को गिरफ्तार किया था। इसमें अधिकांश बेरोजगार थे। हमारी अर्थव्यवस्था का आकार बड़ा हो सकता है, लेकिन अर्थव्यवस्था कैसी है, ये अधिक मायने रखता है।

टॉप 5 परसेंटाइल स्टूडेंट्स सम्मानित

कार्यक्रम में 2017-18 में पीजीपी (2017-19) और आइपीएम (2014-19) के संयुक्त बैच के टॉप 5 परसेंटाइल लाने वाले 27 प्रतिभागियों को अकादमिक उत्कृष्टता प्रमाण पत्र से सम्मानित किया गया। साथ ही प्रो. गौरव सिंह चौहान, प्रो. अमिताभ देव कोडवाणी, प्रो. आदित्य माहेश्वरी, प्रो. देबाशीष मैत्रे, प्रो. सुबीन सुधीर को सर्वश्रेष्ठ शिक्षक पुरस्कार मिला।

लोकतंत्र है, लेकिन अमीरों के पास ज्यादा शक्ति

उन्होंने कहा, पूंजीवाद और लोकतंत्र स्थिरता के दो महत्त्वपूर्ण कारक हैं, जबकि ये दोनों अलग-अलग कारकों पर काम करते हैं। पूंजीवाद संपत्ति अधिकारों से संबंधित है, जबकि लोकतंत्र मानवाधिकारों से संबंधित है। हालांकि, लोकतंत्र में सभी को बराबर अधिकार मिलना चाहिए, लेकिन लोकतांत्रिक देश होने के बावजूद अमीरों के पास आम लोगों से ज्यादा शक्ति है।

तीन सालों में दोगुनी होगी आइपीएम सीट्स

आइआइएम इंदौर के डायरेक्टर टी कृष्णन ने बताया कि देशभर के एकमात्र इंटिग्रेटेड प्रोग्राम इन मैनेजमेंट (आइपीएम) कोर्स की सीटें अगले तीन सालों में दोगुना हो जाएंगी। बोर्ड ऑफ गवर्नेंस ने इसकी स्वीकृति दे दी है। 2021 तक सीट्स 120 से बढ़कर 240 हो जाएंगी। ऐसा सीट्स में डिमांड बढ़ने और फैकल्टी-स्टूडेंट्स संख्या में सामंजस्य बैठाने के लिए किया जा रहा है।

Patrika, October 4, 2018, Page - 17

बर्डन नहीं, फास्टेस्ट ग्रोइंग रिसोर्स है बुजुर्ग

इंदौर। नईदुनिया रिपोर्टर

आज हमारी सोसायटी में बुजुर्गों को बर्डन समझा जा रहा है। उन्हें जो सम्मान और स्थान मिलना चाहिए नहीं मिल रहा। जबकि वो देश के फास्टेस्ट ग्रोइंग रिसोर्स हैं। पिछले दशकों में जीवन प्रत्याशा लगातार बढ़ रही है और एक बहुत बड़ा सेक्टर ओल्डर पीपुल का है। इनके अनुभव और सेवाओं को कई क्षेत्रों में उपयोग किया जा सकता है।

यह बात हेल्पएज इंटरनेशनल के अध्यक्ष और योजना आयोग के पूर्व सदस्य अरुण मायरा ने बुधवार को भारतीय प्रबंध संस्थान (आईआईएम) इंदौर के 22वें स्थापना दिवस समारोह में कही। उन्होंने 'भारत का भविष्य: जिसे हम पाना चाहते हैं, उसके लिए कैसे सम्मिलित प्रयास किया जाए' विषय पर विचार रखे। उन्होंने कहा बुजुर्गों को सबसे बड़ी समस्याएं सोशल एटीट्यूड और अपर्याप्त आमदनी है। लोग बच्चों की देखभाल करने के लिए बाहर के लोगों को पैसे दे रहे हैं और अपने पैरेंट्स को हटा रहे हैं। इस तरह आप ही रिसोर्स का उपयोग करने से वंचित हो रहे हैं। उन्हें घर में, सोसायटी में शामिल करें। बच्चे उन्हें मोबाइल, कंप्यूटर इस्तेमाल करना सिखाएं और वे बच्चों को पढ़ाएं। ऐसे में दोनों को ही फायदा होगा।

आईआईएम इंदौर के 22वें फाउंडेशन डे पर हेल्पएज इंटरनेशनल के अरुण मायरा ने बताया कैसे हो सकता है सही विकास

जॉब क्रिएट करने को दें प्राथमिकता

जीडीपी कभी भी देश के सही विकास का पैमाना नहीं हो सकता। जब तक जॉब्स नहीं बढ़ेंगे, छोटी इंडस्ट्रीज का सही मायनों में विकास नहीं होगा। अर्थव्यवस्था के साइज की जगह उसका पैटर्न और शेप महत्वपूर्ण होता है। हमारे देश में असमानता बहुत ज्यादा है। सोशल मीडिया ने यह और बढ़ाई है। स्मार्ट फोन बंद करें और सुनें कि दूसरे व्यक्ति को क्या कहना है। निचले स्तर पर जब विकास होगा तभी सबका भला होगा। किसानों, छोटे और असंगठित क्षेत्रों के विकास पर फोकस करना होगा। श्रमिकों और निर्माताओं को भी उत्पादकों की तरह ही लाभ साझा करना चाहिए। जिनके लिए विकास हो रहा है उन्हें विकास में शामिल करना चाहिए तभी उनका विश्वास पैदा होगा। परिवर्तन आ रहा है लेकिन बहुत धीमी गति से। युवाओं के पास जॉब नहीं हैं और हैं तो उपयुक्त वेतन नहीं मिलता जिसकी वजह से उनमें डिप्रेशन आता है और वे हिंसक प्रवृत्तियों की ओर बढ़ते हैं। इनोवेशन प्रोडक्ट बनाने में नहीं, जॉब क्रिएट करने में होना चाहिए। समारोह में दीप्ति नवरत्न ने शास्त्रीय संगीत की प्रस्तुति दी।

पर्यावरण को ध्यान में रखकर करें विकास

हम जिस विकास की ओर बढ़ रहे हैं उसमें पर्यावरण को लगातार नुकसान पहुंचा रहे हैं। ग्राउंड वाटर का लेवल लगातार कम हो रहा है। किसी शहर में स्वच्छ पानी नहीं है। दिल्ली, गुरुग्राम और नोएडा जैसे शहर सबसे प्रदूषित शहरों में से हैं।

पुरस्कार दिए

2017-18 में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के लिए पीजीपी और आईपीएम के संयुक्त बैच के 27 प्रतिभागियों को सर्टिफिकेट दिए गए।

सर्वश्रेष्ठ शिक्षक पुरस्कार से सम्मानित शिक्षक

- प्रो. गौरव सिंह चौहान
- प्रो. अमिताभ देव कोडवाणी
- प्रो. आदित्य माहेश्वरी
- प्रो. देबाशीष मैत्रे
- प्रो. सुबीन सुधीर

सम्मानित कर्मचारी

प्रेमजी कुमार केके, आर्मस्ट्रांग एंड्रयूज, हेमेंद्र शर्मा, अभिषेक सोनी, प्रवाह शुक्ला, दिनेश सिह नेगी। प्रो. सुमित कुमार घोष और प्रो. योगेश माहेश्वरी को 10 साल पूरे करने और प्रो. एलवी रामाना, प्रो. वीके गुप्ता, अनुशा भाटिया, केपी राधाकृष्णन, राकेश कौशल, रामेश्वर पांचाल और आर्मस्ट्रांग एंड्रयूज को 20 साल पूरे करने के लिए सम्मानित किया गया।

Naidunia , October 4, 2018, Page - 11

असमानता ही स्थिरता की कमी का कारण

सुरों से सजा आईआईएम का 22वां फाउंडेशन डे

दबंग रिपोर्टर ■ इंदौर

भारतीय प्रबंधन संस्थान इंदौर (आईआईएम) का 22वां फाउंडेशन-डे बुधवार को खेल परिसर में आयोजित किया गया। मुख्य अतिथि हेल्पएज इंटरनेशनल के चेयरमैन अरुण मायरा थे। प्रो. ऋषिकेश टी कृष्णन ने कहा कि 5000 से अधिक विद्यार्थियों ने अब तक स्नातक की उपाधि प्राप्त की है, इस साल हमें प्रबंधन में पांच वर्षीय एकीकृत कार्यक्रम (आईपीएम) और दो वर्षीय स्नातकोत्तर कार्यक्रम (पीजीपी) में प्रतिभागियों को डिग्री प्रदान करने का विशेषाधिकार भी मिला।

मायरा ने बताया कि राष्ट्र को स्थिरता कैसे प्राप्त करना चाहिए और कहा कि असमानता सबसे बड़ी समस्या है, जो स्थिरता की कमी का कारण बनती है। हम दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था में से एक हो सकते हैं, हालांकि हमारे पास भी बहुत असमानता है। हमारे पास बहुत सारी नौकरियां हो सकती हैं, लेकिन उन्हें अच्छी तरह भुगतान नहीं करते हैं, इससे निराशा होती है, जो अपराध दर को बढ़ाती है। आय समान रूप से वितरित नहीं की जाती है। लोग या तो बेरोजगार हैं, या मजदूरी में असमानता के कारण उन्हें पर्याप्त आय नहीं मिल रही है। अर्थव्यवस्था का आकार बड़ा हो सकता है, लेकिन इसका पैटर्न अधिक मायने रखता है।

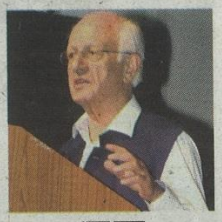

अरुण मायरा

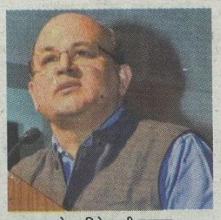

प्रो. ऋषिकेश टी कृष्णन

हम समाज, धर्म और जाति के साथ समाज में विभाजित होने लगते हैं

समान जीवनशैली रखने के लिए व्यापार समान रूप से वितरित किया जाना चाहिए। व्यापार केवल लोगों, लोगों और लोगों के लिए होना चाहिए। श्रमिकों और निर्माताओं को भी उत्पादकों की तरह ही लाभ साझा करना चाहिए। वितरण में समानता होना चाहिए, एक ऐसा व्यवसाय बनाने में जो दृढ़ता से पिरामिड के नीचे से बंधा होता है। उन्होंने कहा कि हम धर्म और जाति के साथ समाज में विभाजित होने लगते हैं। यह समय है कि स्मार्ट फोन बंद करें, ट्वीट्स और सोशल मीडिया अपडेट करना बंद करें और सुनें कि दूसरे व्यक्ति को क्या कहना है। उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि नेता विभिन्न आकारों में आ सकते हैं और अपनी शैली बना सकते हैं। सबसे अच्छा नेता वह है जो अपनी इच्छा अनुसार पहला कदम उठाता है। प्रत्येक नेता सीखने के लिए उत्सुक है और सीखने के लिए धक्का देने के बजाय ज्ञान लेते समय केवल सीखना सकारात्मक होता है, इसलिए जानें कि आप क्या सीखना चाहते हैं और जानते हैं। इस मौके पर बंगलुरू से इंटरनेशनल आर्ट्स एंड कल्चर फाउंडेशन की डॉ. दीप्ति नवरत्न द्वारा गीत-संगीत की शानदार प्रस्तुति दी गई।

सर्वश्रेष्ठ शिक्षक सम्मानित

विद्यार्थियों को वर्ष 2017-18 में उनके प्रदर्शन के आधार पर पीजीपी (2017-19) और आईपीएम (2014-19) की संयुक्त बैच के शीर्ष पांच प्रतिशत प्रतिभागियों को अकादमिक उत्कृष्टता प्रमाण पत्र वितरित किए गए। प्रोफेसरों को सर्वश्रेष्ठ शिक्षक पुरस्कार में प्रमाण पत्र के साथ एक लाख रुपए दिए गए, जिनमें प्रो. गौरवसिंह चौहान, प्रो. अमिताभ देव कोडवानी, प्रो. आदित्य माहेश्वरी, प्रो. देबाशीष मैत्रे, प्रो. सुदीन सुधीर को सम्मानित किया गया। बेस्ट स्टाफ पुरस्कार भी सदस्यों को दिया गया, जिनमें प्रेमकुमार केके, आर्मस्ट्रांग एंड्रयूज, हेमेंद्र शर्मा, अभिषेक सोनी, प्रभा शुक्ला, दिनेश सिंह नेगी शामिल थे।

Dabang Dunia 2, October 4, 2018, Page - 8

आईआईएम के 22वें फाउंडेशन डे में हेल्पएज इंटरनेशनल के चेयरमैन अरुण मैरा ने कहा

'अब समय स्मार्टफोन बंद करने का'

यंग रिपोर्टर ● इंदौर
मो.नं. 9685625277

हम धर्म और जाति के साथ समाज में विभाजित होने लगते हैं। यह समय है कि स्मार्ट फोन बंद करें, ट्वीट्स और सोशल मीडिया अपडेट बंद करें और सुनें कि दूसरे व्यक्ति को क्या कहना है। इन शब्दों के साथ राष्ट्रीय स्थिरता पर लेक्चर देते हुए हेल्पएज इंटरनेशनल के चेयनमैन व प्रोग्राम के मुख्य अतिथि अरुण मैरा ने अपने विचार रखे। उन्होंने कहा कि असमानता सबसे बड़ी समस्या है जो स्थिरता की कमी का कारण बनती है। हम दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में से एक हो सकते हैं, हालांकि, हमारे देश में भी बहुत असमानता है।

उन्होंने रोजगार को लेकर कहा कि हमारे पास बहुत सारी नौकरियां हो सकती हैं, लेकिन वे अच्छी तरह से भुगतान नहीं करते हैं। इससे निराशा होती है-जो अपराध दर को बढ़ाती है। आय को समान रूप से वितरित नहीं किया जाता है। लोग या तो बेरोजगार हैं, या उन्हें असमानता के कारण पर्याप्त आय नहीं मिल रही है। अर्थव्यवस्था का आकार बड़ा हो सकता है, लेकिन अर्थव्यवस्था कैसी है, यह अधिक मायने रखता है।

तेजी से गिर रहा भू जल स्तर

पर्यावरण के बारे में चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि दिल्ली, गुड़गांव, नोएडा जैसे शहर सबसे प्रदूषित शहरों में से हैं। देश में भूजल स्तर हर तीन साल में 1 लीटर गिर रहा है-पंजाब में तो प्रति वर्ष एक लीटर तक गिरता है। ये वे शहर हैं जहां 85% घरेलू जल आपूर्ति भूजल पर निर्भर करती है। पूंजीवाद और लोकतंत्र स्थिरता के दो महत्वपूर्ण कारक हैं-जबकि ये दोनों अलग-अलग कारकों पर काम करते हैं। पूंजीवाद संपत्ति अधिकारों से संबंधित है जबकि लोकतंत्र मानवाधिकारों से संबंधित है। हालांकि, इस तरह के एक बड़े लोकतंत्र के साथ, सभी को बराबर महत्व प्राप्त करना चाहिए, उन्होंने कहा कि लोकतांत्रिक राष्ट्र होने के बावजूद अधिक पूंजी वाले लोगों के पास अधिक शक्ति है। यही समस्या को बढ़ाता है।

व्यापार में समानता से होगी जीवनशैली समान

उन्होंने जीवनशैली को समान रखने को लेकर कहा कि समान जीवनशैली रखने के लिए, व्यापार को समान रूप से वितरित किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि व्यापार 'लोगों के लिए, लोगों द्वारा और लोगों का' होना चाहिए। श्रमिकों और निर्माताओं को भी उत्पादकों की तरह ही लाभ साझा करना चाहिए। वितरण में समानता होनी चाहिए-एक ऐसा व्यवसाय बनाने में जो दृढ़ता बंधे होते हैं। उन्होंने समावेशी अर्थव्यवस्था पर जोर दिया और कहा कि हमें एक बेहतर भविष्य के लिए पुरानी आदतों को मारने की जरूरत है।

लीडर में सीखने की उत्सुकता होना जरूरी

उन्होंने युवाओं को लीडरशिप के विषय में संबोधित करते हुए कहा कि लीडर्स विभिन्न शेप्स में आ सकते हैं। साथ ही अपनी-अपनी शैली बना सकते हैं, लेकिन सबसे अच्छा नेता वह है, जो अपनी इच्छानुसार पहला कदम उठाता है। प्रत्येक नेता सीखने के लिए उत्सुक होना चाहिए-और सीखने के लिए धक्का देने के बजाय ज्ञान खींचते की इच्छा उसमें स्वयं ही होनी चाहिए।

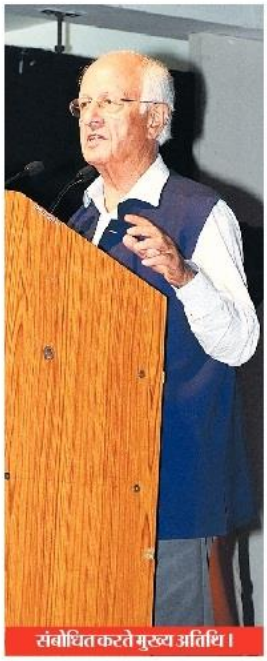

संबोधित करते मुख्य अतिथि।

सर्वश्रेष्ठ शिक्षक पुरस्कार

- प्रो. गौरव सिंह चौहान
- प्रो. अमिताभ देव कोडवाणी
- प्रो. आदित्य माहेश्वरी
- प्रो. देबाशीष मैत्रे
- प्रो. सुबिन सुधीर

सर्वश्रेष्ठ कर्मचारी पुरस्कार

- प्रेमजी कुमार के के
- आर्मस्ट्रांग एंड्रयूज
- हेमेंद्र शर्मा
- अभिषेक सोनी
- प्रवाह शुक्ला
- दिनेश सिंह नेगी

शास्त्रीय संगीत के मधुर स्वरों से ख्यात गायक डॉ. दीप्ति नवरत्न ने बांधा समां

रागों की मधुरता ने मोह लिया सबका मन

फाउंडेशन डे प्रोग्राम के अवसर पर इंटरनेशनल आर्ट्स एंड कल्चरल प्रोग्राम के बाद ख्यात गायिका डॉ. दीप्ति नवरत्न द्वारा संगीत की सुमधुर प्रस्तुति दी गई। बांसुरी की मीठी तानों व गायन की रूहानियत ने श्रोताओं को मंत्र मुग्ध कर दिया। इस दौरान शास्त्रीय गीतों की प्रस्तुति भी शाम के सुंदर रागों पर आधारित दी गई।

ट्वीट्स और सोश्यल मीडिया अपडेट बंद करें और सुने कि दूसरे व्यक्ति को क्या कहना है

आईआईएम इंदौर का 22 वां फाउंडेशन दिवस, हेल्पएज इंटरनेशनल के चेयरमैन अरुण मैरा बोले दिल्ली, गुडगांव, नोएड जैसे शहर सबसे प्रदूषित शहरों में से हैं, और भूजल स्तर हर तीन साल में 1 लीटर गिर रहा

इंदौर ■ राज न्यूज नेटवर्क

आईआईएम इंदौर ने अपना 22वां फाउंडेशन दिवस बुधवार को मनाया। हेल्पएज इंटरनेशनल के चेयरमेन अरुण मैरा (पूर्व अध्यक्ष बीसीजी इंडिया और पूर्व सदस्य, योजना आयोग) बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित हुए। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि और प्रोफेसर ऋषिकेश टी. कृष्णनन, निदेशक, आईआईएम इंदौर ने किया।

प्रोफेसर कृष्णनन ने 22 वर्षों में संस्थान की उपलब्धियों को साझा करते हुए बताया कि 5000 से अधिक स्टूडेंट्स अब तक स्नातक की उपाधि प्राप्त कर चुके है। इस साल हमें प्रबंधन में पांच वर्षीय एकीकृत कार्यक्रम (आईपीएम) और प्रबंधन में दो वर्षीय स्नातकोत्तर कार्यक्रम (पीजीपी) प्रतिभागियों को डिग्री प्रदान करने का विशेषाधिकार भी मिला है। हम अनुसंधान कार्य और शोध दुनिया में योगदान देकर प्रबंधन शिक्षा में महत्वपूर्ण योगदान भी दे पाए है। उन्होंने कहा यह समय पीछे देखने के साथ ही आगे देखने के लिए भी है। शोध कार्य को ध्यान में रखते हुए संस्थान ने आईआईएम इनसाइट्स नामक पुस्तक भी शुरु की है और ये पुस्तक संकाय सदस्यों द्वारा अनुसंधान कार्यों का संक्षिप्त रुपों और स्तंभों में अनुवाद करती है-जो उद्योग के लिए समझने में आसान है।

समान जीवनशैली रखने के लिए व्यापार को समान रुप से वितरित किया जाए

चेयरमेन मैरा ने चर्चा की कि राष्ट्र को स्थिरता कैसे प्राप्त करना चाहिए और कहा कि असमानता सबसे बड़ी समस्या है जो स्थिरता की कमी का कारण बनती है। हम दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था में से एक हो सकते हैं, हालांकि हमारे देश में भी बहुत असमानता है। हमारे पास बहुत सारी नौकरियां हो सकती है, लेकिन वे अ%छी तरह से भुगतान नहीं करते हैं। इससे निराशा होती है जो अपराध दर को बढ़ाती है। आय को समान रुप से वितरित नहीं कियाजाता है। लोग या तो बेरोजगार है या उन्हें असमानता के कारण पर्याप्त आय नहीं मिल रहीं। अर्थव्यवस्था का आकार बड़ा हो सकता है, लेकिन अर्थव्यवस्था कैसी है, ये अधिक मायने रखता है। पर्यावरण के बारे में चर्चा करते हुए उन्होंने कहा दिल्ली, गुडगांव, नोएड जैसे शहर सबसे प्रदूषित शहरों में से हैं, और भूजल स्तर हर तीन साल में 1 लीटर गिर रहा है। पंजाब में तो प्रति वर्ष एक लीटर तक है, ये वे शहर है जहां 85 प्रतिशत घरेलू जल आपूर्ति भूजल पर निर्भर करती है। उन्होंने कहा समान जीवनशैली रखने के लिए व्यापार को समान रुप से वितरित किया जाना चाहिए। व्यापार लोगों के लिए, लोगों द्वारा और लोगों का होना चाहिए। श्रमिकों और निर्माताओं को भी उत्पादकों की तरह ही लाभ साझा करना चाहिए। एक ऐसा व्यवसाय बनाने में जो दृढ़ता बंधे होते है उनके वितरण में समानता होना चाहिए। उन्होंने सुझाव दिया कि हम समाज, धर्म और जाति के साथ समाज में विभाजित होने लगते हैं। यह समय है कि स्मार्ट फोन बंद करें, ट्वीट्स और सोश्यल मीडिया अपडेट बंद करें और सुने कि दूसरे व्यक्ति को क्या कहना हैं।

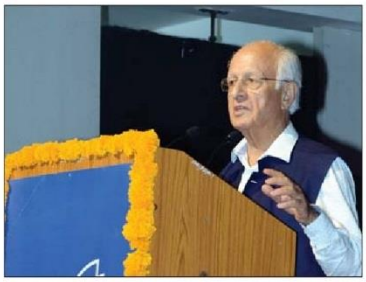

प्रोफेसर -कर्मचारी

- गौरव सिंह चौहान प्रेम कुमार के के
- अमिताभ देव कोडवाणी आर्मस्ट्रांग एंड्रयूज
- आदित्य महेश्वरी हेमेंद्र शर्मा
- देबाशिष मैत्रे अभिषेक सोनी
- सुबीन सुधीर प्रवाह शुक्ला व दिनेश सिंह नेगी

शिक्षकों-कर्मचारियों को भी किया सम्मानित

इस अवसर पर वर्ष 2017-18 में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए पीजीपी 2017-19 और आईपीएम 2014-19 के संयुक्त बैच के शीर्ष 5 प्रतिभागियों को अकादमिक उत्कृष्टता प्रमाण पत्र भी वितरित किए गए। प्रमाण पत्र 27 प्रतभागियों को दिए गए। इसमें प्रोफेसरों को सर्वश्रेष्ठ शिक्षक पुरस्कर भी दिया गया। साथ ही सर्वश्रेष्ठ कर्मचारी पुरस्कर भी दिया गया। कर्मचारी और शिक्षकों को पुरस्कार के रुप में नगद राशि दी गई। कार्यक्रम के बाद डॉ. दीप्ति नवरत्न, इंटरनेशनल आर्ट्स एंड कल्चरल फाउंडेशन, बैंगलोर द्वारा संगीत प्रस्तुति दी गई।

Raj Express, October 4, 2018, Page - 2

'Pattern, not size of economy matters more'

TIMES NEWS NETWORK

Indore: India is growing but still it's far behind many countries in achieving sustainable development because the focus is not on small-scale industries and manufacturing, said HelpAge International's chairman **Arun Maira**.

Maira was speaking on 'Future of India' at the 22nd foundation day celebration of Indian Institute of Management (IIM), Indore held on Wednesday. The former member of planning commission Maira said that countries like Nepal, Bangladesh and Bhutan are performing better than India in terms of sustainable development.

IIM-I EVENT

Maira stressed that the manufacturing sector and small-scale industries should be prioritized to increase the employment and economy of the country. Addressing students, Maira said, "We may be one of the world's largest economy to be, however, we also have too much inequality. We may have a lot of jobs, but those don't pay well. This leads to frustration—which increases crime rates." He said the youths are either jobless or are not getting remuneration as expected. The incomes aren't equally distributed either. People are either jobless, or aren't getting sufficient incomes due to inequality in wages. Size of the economy may be large, but pattern of the economy is what matters more', he said.

Maira also emphasized that elders should be seen as a resource not a burden and should be involved in social networks so that their opinions and suggestions can be taken in addressing social issues.

He said young generation should develop interaction with elders through different channels. On the occasion, IIM-I director professor Rishikesha T Krishnan said, "More than 5,000 students have graduated till now. This year, we also had the privilege to confer degrees to the five-year Integrated Programme in Management (IPM) and two-year Post Graduate Programme in Management (PGP) participants. We have also been able to make significant contribution to the management education by writing cases, research work and contributing to research world', he said. IIM Indore has also introduced PGP HR this year and participants would be graduating in 2020. Certificates of academic excellence were also distributed to the top 5 percentile participants of the combined batch of PGP (2017-19) and IPM (2014-19) based on their performance in the year 2017-18. The institute also awarded best teacher, staff and employees for completing 10 and 20 years of services.

Dr Deepti Navaratna performed various classical songs on the 22nd foundation day celebration of IIM-I. (R) HelpAge International's chairman Arun Maira spoke about Future of India

The Times of India, October 4, 2018, Page - 2

बुज़ुर्गों का तजुर्बा और विवेक समाज के लिए बड़ा रिसोर्स, लेकिन हम उन्हें बोझ समझते हैं

IIM फाउंडेशन डे पर हेल्पऐज इंटरनेशनल के चेयरमैन अरुण माइरा ने बदलते समाज व बुजुर्गों की उपेक्षा पर मार्मिक वक्तव्य दिया

सिटी रिपोर्टर | इंदौर

'हम थकते नहीं ये कहते हुए कि भारत युवाओं का देश है, लेकिन दुनिया के साथ ही भारत में भी बुजुर्गों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। 2030 तक दुनियाभर में 10 वर्ष से कम उम्र से बच्चों से ज्यादा 60 साल के लोग मौजूद होंगे। संख्या इसलिए बढ़ रही है क्योंकि लोगों की उम्र बढ़ रही है लेकिन हमारा समाज उन्हें बोझ मान रहा है। घर में उनसे कोई बात नहीं करता। उन्हें घर से दूर करने की सोच भी है। बुजुर्ग तेजी से बढ़ती एक ऐसी पैरेलल सोसायटी है जिसे हम यूटिलाइज नहीं कर रहे। जबकि वे बेहतरीन रिसोर्स है। उनके पास तजुर्बा और ज्ञान और विवेक है। वे तो समय देने को आतुर हैं लेकिन हम उन्हें रिसोर्स मान ही नहीं रहे।'

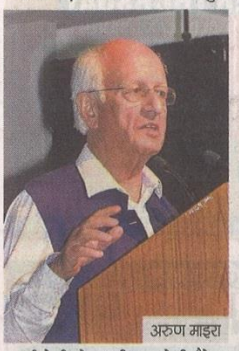

अरुण माइरा

इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ मैनेजमेंट (आईआईएम) इंदौर के 22वें स्थापना दिवस पर ये बातें हेल्पऐज इंटरनेशनल के चेयरमैन अरुण माइरा ने पत्रकारों से बातचीत के दौरान कही। उन्होंने कहा कि भारत में आज बुजुर्गों के सामने सबसे बड़ा चैलेंज सोशल सिक्योरिटी और फाइनेंशियल स्टेबिलिटी है। हमें इनके लिए प्रयास करने होंगे। स्थापना दिवस के कार्यक्रम में संस्थान के डायरेक्टर प्रोफेसर ऋषिकेश टी. कृष्णन भी शामिल थे। कार्यक्रम में स्टूडेंट्स को अवॉर्ड्स देने के साथ ही फैकल्टी और स्टाफ मेंबर्स का सम्मान किया गया।

आईपीएम सीट्स होंगी दोगुना

डायरेक्टर प्रोफसेर ऋषिकेश टी. कृष्णन ने कहा कि आईआईएम ने कई उपलब्धियां हासिल की हैं। स्टूडेंट्स को डिग्री देने के साथ पीजीपी ह्यूमन रिसोर्स का कोर्स इस साल की बड़ी उपलब्धि है।

डायरेक्टर टी. कृष्णन के साथ अवॉर्डीज

पत्रकारों से चर्चा के दौरान उन्होंने बताया कि आईपीएम की सीट्स भी आईआईएम इंदौर बढ़ाने जा रहा है। डायरेक्टर के अनुसार कोर्स की डिमांड को देखते हुए कुछ समय पहले सीटें बढ़ाने का प्रस्ताव बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स को भेजा गया था। पिछले महीने बोर्ड ने इसे स्वीकृति दी है। 2021 से आईपीएम की वर्तमान 121 सीट्स को बढ़ाकर 240 किया जाएगा। डायरेक्टर की अनुसार फिलहाल संस्थान में फैकल्टीज की संख्या 100 से ज्यादा है। इसके अनुपात में स्टूडेंट्स की संख्या भी होनी चाहिए। इसके अलावा कोर्स की डिमांड भी सीटें बढ़ाने का एक कारण है।

हमें बनाना होगा इनक्लुसिव डेमोक्रेटिक कैपिटलिज़्म, तभी ताक़त दोगुना होगी

मुख्य अतिथि के तौर पर अपने लेक्चर में अरुण माइरा ने कहा- आज दुनिया कैपिटलिज्म और डेमोक्रेटिक फोर्सेस से चल रही है। इन दोनों के सिद्धांत बिल्कुल अलग हैं। कैपिटलिज्म प्रॉपर्टी राइट्स पर चलता है और डेमोक्रेसी, ह्यूमन राइट्स पर बेस्ड है। आज कैपिटलिस्टिक इंस्टिट्यूशंस, डेमोक्रेटिक इंस्टिट्यूशंस के साथ क्रैश कर रहे हैं। पैसा आज बिजनेस के साथ पॉलिटिक्स और मीडिया भी चला रहा है। आज हमारे सामने ऐसे इंस्टिट्यूशंस बनाने का चैलेंज है जो दोनों के सिस्टम के पावर को जोड़ें। इसके जरिए ही हम इनक्लुसिव, सस्टेनेबल और इकोनॉमिकली वाएबल सोसायटी बना पाएंगे। क्या हम ये बनाने के इच्छुक हैं?

वार्षिक रिपोर्ट में देना होगा रिसर्च का ब्योरा

आईआईएम इंदौर को अपने रिसर्च पेपर्स का ब्यौरा संस्थान की वार्षिक रिपोर्ट में भी देना होगा। डायरेक्टर के अनुसार- मैनेजमेंट जरनल्स में छपे रिसर्च पेपर्स का इंडस्ट्री में क्या और कितना उपयोग किया गया है इसकी जानकारी आईआईएम को एनुअल रिपोर्ट में देनी होगी। इसका असर आईआईएम्स की रैंकिंग पर भी आएगा क्योंकि कई एक्रेडिशन एजेंसियां भी अब इस बात पर जोर देती हैं। इसी बात को ध्यान में रखते हुए आईआईएम इनसाइट्स का पहला इशू भी लॉन्च किया गया। इसमें रिसर्च वर्क को आसान भाषा में समझाया गया है ताकि इंडस्ट्री आसानी से समझ सके।

सांस्कृतिक प्रस्तुतियां भी दी गईं।

इन्हें मिला बेस्ट टीचर्स अवॉर्ड

प्रोफेसर गौरव सिंह चौहान, अमिताभ देव कोडवानी, आदित्य माहेश्वरी, देबाशीष माइत्रा और सुबिन सुधीर को बेस्ट टीचर 2018 अवॉर्ड दिया गया। बेस्ट स्टाफ अवॉर्ड के लिए प्रेमजी कुमार, आर्मस्ट्रांग एंड्रयूज, हेमेंद्र शर्मा, अभिषेक सोनी, प्रवाह शुक्ला और दिनेश सिंह नेगी को चुना गया। संस्थान में 10 और 20 साल पूरे कर चुके सुमित कुमार घोष, योगेश माहेश्वरी, एल.वी. रमाना, वी.के. गुप्ता, अनुषा भाटिया, के.पी. राधाकृष्णन, राकेश कौशल, रामेश्वर पांचाल और आर्मस्ट्रॉन्ग एंड्रयूज को भी सम्मानित किया गया।

Dainik Bhaskar, October 4, 2018, Page - 19

Over 5000 students graduated till now: Director

OUR STAFF REPORTER
Indore

The Indian Institute of Management Indore on Wednesday observed 22nd foundation day. Chief guest was Help Age International chairman Arun Maira, who was former Planning Commission member.

Guests were welcomed by IIM Indore director Professor Rishikesha T Krishnan. Speaking on the occasion, Professor Krishnan said more than 5000 students have graduated till now.

"This year, we conferred degrees to Five Year Integrated Programme in Management (IPM) and two-year post graduate programme in management. We have also made significant contribution to management education by writing cases and doing research work," he said. In his address, Arun Maira said inequality is the biggest problem.

The best teacher award was given to Prof Gaurav Singh Chauhan, Prof Amitabh Deo Kodwani, Prof Aditya Maheshwari, Prof Debashish Maitra and Prof Subin Sudhir along with citation and cash prize of Rs 1 lakh. The best staff award went to Premji Kumar K K, Armstrong Andrews, Hemendra Sharma, Abhishek Soni, Pravah Shukla and Dinesh Singh Negi with a cash prize of Rs 25,000.

Institute employees who completed 10 to 20 years of service were felicitated. Prof Sumit Kumar Ghosh and Prof Yogesh Maheshwari were felicitated for completing 10 years.

Prof L V Ramana, Prof V K Gupta, Anusha Bhatia, K P Radhakrishnan, Rakesh Kaushal, Rameshwar Panchal and Armstrong Andrews completed 20 years.

Free Press, October 4, 2018, Page - 5